इस पुस्तिका में **20** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This Booklet contains **20** printed pages.

MVD18–II

परीक्षा पुस्तिका संख्या
Test Booklet No.

LANG. CODE
16

प्रश्न-पत्र—II / PAPER—II
संस्कृत भाषा परिशिष्ट / SANSKRIT LANGUAGE SUPPLEMENT
भाग IV & V / PART IV & V

परीक्षा पुस्तिका संकेत
Test Booklet Code

M

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ संख्या 20) पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page No. 20) of this Test Booklet.

संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 2 व 19 देखें।
For Instructions in Sanskrit, see Page Nos. 2 and 19 of this Booklet.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका का एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग—IV (भाषा—I) **या** भाग—V (भाषा—II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I, II, III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेजी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग—IV व भाग—V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर-पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल काले/नीले बॉलपॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत M** है। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका का संकेत, उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं तथा प्रत्येक 1 अंक का है :

   भाग—IV : भाषा—I (संस्कृत) (प्रश्न सं॰ 91–120)
   भाग—V : भाषा—II (संस्कृत) (प्रश्न सं॰ 121–150)
7. भाग—IV में भाषा—I के लिए 30 प्रश्न और भाग—V में भाषा—II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से सम्बन्धित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा—I और/या भाषा—II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है/हैं, तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लें। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन-पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग—V (भाषा—II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा—I (भाग—IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ़ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर-पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

Instructions for Candidates :

1. This Booklet is a Supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part—IV (Language—I) **OR** Part—V (Language—II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Parts I, II, III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part—IV and Part—V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Black/Blue Ballpoint Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **M**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **Two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective-type Questions and each carrying 1 mark :

   Part—IV : Language—I (Sanskrit) (Q. Nos. 91–120)
   Part—V : Language—II (Sanskrit) (Q. Nos. 121–150)
7. Part—IV contains 30 questions for Language—I and Part—V contains 30 questions for Language—II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit Language have been given. **In case, the language(s) you have opted for as Language—I and/or Language—II is a language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part—V (Language—II) in a language other than the one chosen as Language—I (Part—IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Name of the Candidate (in Capital letters)

अनुक्रमांक (अंकों में) : ____________________
Roll Number (in figures)

(शब्दों में) : ____________________
(in words)

परीक्षा-केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Centre of Examination (in Capital letters)

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : ____________________
Candidate's Signature

निरीक्षक के हस्ताक्षर : ____________________
Invigilator's Signature

Facsimile Signature Stamp of Centre Superintendent ____________________

अस्यां पुस्तिकायां 20 पृष्ठानि सन्ति।

MVD18–II

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

M

LANG. CODE
16

प्रश्नपत्रम्—II

संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

भागः IV एवं V

यावन्न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 19 एवं 20) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः —

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टं तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV भागस्य (भाषा I) **अथवा** V भागस्य (भाषा II) परीक्षां **संस्कृत**भाषया दातुमिच्छन्ति, **न तु द्वयोः भागयोः**।
2. परीक्षार्थिभिः I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः। भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तर-पत्रे च चिह्नम् अङ्कयितुं **केवलं कृष्ण/नील-बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः।
5. अस्याः भाषा-पुस्तिकायाः संकेतकं **M** वर्तते। एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा-परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् उत्तर-पत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति। एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तर-पत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते। यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयां भाषा-परिशिष्ट-परीक्षा-पुस्तिकां ददातु।
6. अस्यां परीक्षा-पुस्तिकायां **द्वौ** भागौ स्तः — IV तथा V, एतेषु 60 वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति—

   भागः IV : भाषा I (संस्कृतम्) (प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)

   भागः V : भाषा II (संस्कृतम्) (प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)
7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति। अस्यां च परीक्षा-पुस्तिकायां केवलं संस्कृतभाषासम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति। **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षा-पुस्तिका याचनीया। यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत्।**
8. **परीक्षार्थिभिः भागः V (भाषा II) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात्।**
9. रफ कार्यं परीक्षा-पुस्तिकायां निर्धारितस्थाने एव कार्यम्।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तर-पत्रिकायामेव अङ्कनीयानि। सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम्। उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः।

परीक्षार्थिनः नाम : ____________________

अनुक्रमाङ्कः (अङ्केषु) : ____________________

(शब्देषु) : ____________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ____________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ____________________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ____________________

Facsimile signature stamp of Centre Superintendent ____________________

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य** (**Part–IV**) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **91–120**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा** (**Language—I**)-रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part–IV (Q. Nos. 91–120)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language—I** only.

Part—IV / भागः —IV

Language—I / भाषा—I

Sanskrit / संस्कृतम्

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य** (Part–IV) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **91–120**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा** (Language—I)-रूपेण चितम्।

सूचना : अधोलिखितानां प्रश्नानां (प्र० सं० **91–105**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

91. भाषाशिक्षणे बलहीनविद्यार्थिनां कृते अत्यन्तम् उपयुक्ता पद्धतिः का?

(1) व्यक्तिगतशिक्षणम्

(2) समूहशिक्षणम्

(3) युग्मशिक्षणम् (Peer teaching)

(4) उपर्युक्तं सर्वमपि

92. भाषाशिक्षणे वस्तुनिष्ठमूल्याङ्कनार्थम् एतदनिवार्यं यत् तच्च—

(1) वस्तुनिष्ठम् एवं विमर्शात्मकम्

(2) सर्वतोमुखम् एवं व्यवहारपरकम्

(3) विश्वसनीयम् एवं योग्यम्

(4) उपर्युक्तं सर्वमपि

93. निम्नलिखितेषु किं भाषाशिक्षणस्य उद्देश्यं नास्ति?

(1) विचाराणाम् अभिव्यक्तिः (Publication of thoughts)

(2) भाषायाः अधिगमः (Understanding language)

(3) लेखनदक्षता (Proficiency in writing)

(4) सृजनात्मकता (Creativity)

94. भाषाकौशलसन्दर्भे (Language skills) किं वा कथनं सत्यं नास्ति?

(1) भाषाकौशलविकासार्थं व्यवहारापेक्षया भाषा-सिद्धान्ताः प्रधानाः।

(2) बालाः श्रवण, भाषण, पठन, लेखनक्रमेणैव भाषाम् अधीयन्ते।

(3) पाठशालासु पठन, लेखनकौशलयोः कृते बलं देयम्।

(4) उपर्युक्तानि सर्वाण्यपि कौशलानि परस्परं सम्बद्धानि।

95. ''बालाः तां भाषां बहुशीघ्रं शिक्षयन्ति, यस्याः व्याकरणं सः/सा न जानाति''—कस्य वचनमिदम्?

(1) महर्षिपतञ्जलेः

(2) लार्ड् स्वीट् इत्यस्य

(3) लार्ड् मेकाले इत्यस्य

(4) जीन् पीगेट् इत्यस्य

96. कक्ष्यायाम् अध्यापनसमये विद्यार्थिनः कठिनप्रश्नान्, संशयांश्च पृच्छन्ति चेत् भवान्/भवती किं करोति?

(1) पूर्वमेव सम्पूर्णसज्जतां कृत्वा कक्ष्यायां तेषां प्रश्नानाम् उत्तरं संशयनिवारणं करोमि।

(2) तेषां सर्वान् प्रश्नान्, संशयान् लिखित्वा अनन्तरदिने परिष्करोमि।

(3) तान् पुस्तकं पठितुम् उक्त्वा तदनु चर्चां कृत्वा संशयनिवारणं करोमि तथा च प्रश्नानाम् उत्तरम् अनन्तरं करोमि।

(4) तादृशविद्यार्थिनः तर्जयित्वा अनुशासने भवितुम् आदिशामि।

97. रटनाभ्यासकारणेन विद्यार्थिनां विकासे कीदृशक्षतिः भवति?

(1) तेषां बुद्धिविकासः न भवति।

(2) तेषाम् आत्मविश्वासः नष्टः भवति।

(3) ते कक्ष्या-अध्यापनकर्मणि दूरीकृताः भवन्ति।

(4) ते अध्ययनस्योपरि श्रद्धां कर्तुं न शक्नुवन्ति।

98. भाषाशिक्षणे आगमनात्मकपद्धतेः (Inductive method) एषः लाभः अस्ति—

(1) विद्यार्थिभिः गृहकार्य (Homework)-करणस्य आवश्यकता नास्ति

(2) विद्यार्थिषु रटनाभ्यासस्य अभावः भवति

(3) कक्ष्यायाम् अनुशासनं रक्षितं भवति

(4) विद्यार्थिनः अल्पे एव समये अधिकं पठितुं शक्नुवन्ति

99. भाषा तावत् एतस्य अभिव्यक्तेः, स्वाभिप्रायप्रकटनाय उत्तमं माध्यमम् अस्ति—

(1) प्रचारस्य (Propagation)

(2) सङ्ग्रहस्य (Collection)

(3) आदान-प्रदान विनिमयस्य (Exchange)

(4) उपर्युक्तं सर्वमपि

100. भारतीयबालैः निम्नलिखितेषु किम् अध्येतव्यम्?

(1) मातृभाषा

(2) मातृभाषा तथा प्रादेशिकभाषा

(3) मातृभाषा तथा आङ्ग्लम्

(4) काः अपि तिस्रः भाषाः

101. कस्याश्चित् समावेशी (Inclusive)-कक्ष्यायां भाषाशिक्षणसन्दर्भे एका समस्या——

(1) समुचित-भाषाधिगमपरिवेष-विकासस्य असामर्थ्यम्

(2) समुचित-भाषाध्ययनसामग्र्याः अभावः

(3) विद्यार्थिनां योग्यताविषयक-विषमता

(4) विद्यार्थिनाम् आसक्तौ असमानता

102. मातृभाषाशिक्षणस्य ज्ञानोद्देश्येषु निम्नलिखितेषु किं नास्ति?

(1) भाषातत्त्वानां पर्याप्तज्ञानम्

(2) विषयवस्तुनः ज्ञानार्जनम्

(3) उच्चारणस्य ज्ञानार्जनम्

(4) भाषायां विभिन्नप्रकाराणां लेखनानां विषयक-ज्ञानार्जनम्

103. निम्नलिखितेषु का वा शिक्षणपद्धतिः (Teaching method) अस्ति?

(1) चयनपद्धतिः (Selection method)

(2) रुचिपद्धतिः (Interest method)

(3) प्रेरणापद्धतिः (Motivation method)

(4) सर्वाः अपि पद्धतयः

104. भाषाशिक्षणे दृश्य-श्रव्यसामग्री (Audio-Visual Aids) एतदर्थम् उपयुक्ता भवति——

(1) शुद्ध-उच्चारणार्थम्

(2) शुद्धलेखनार्थम्

(3) शुद्धपठनार्थम्

(4) उपर्युक्तेषु न किञ्चित्

105. उपचारात्मकपद्धतिः (Remedial Coaching) इति——

(1) समस्यानाम् अभिज्ञानार्थम् अपेक्षितकाठिन्यस्तरं वर्धयति

(2) समस्यानां निवारणे विजयं प्रापयति

(3) व्यतिक्रमेण समस्याप्रस्तुतिः करोति

(4) समस्याः अधिकृत्य भाषासिद्धान्तानां ज्ञानं ददाति

निर्देश : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (प्र० सं० **106–114**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

अस्ति हिमवान् नाम सर्वरत्नभूमिर्नगेन्द्रः। तस्य सानोरुपरि विभाति काञ्चनपुरं नाम नगरम्। तत्र जीमूतकेतुरिति श्रीमान् विद्याधरपतिः वसति स्म। तस्य गृहोद्याने कुलक्रमागतः कल्पतरुः स्थितः। स राजा जीमूतकेतुः तं कल्पतरुम् आराध्य तत्प्रसादात् च बोधिसत्त्वांशसम्भवं जीमूतवाहनं नाम पुत्रं प्राप्नोत्। स महान् दानवीरः सर्वभूतानुकम्पी च अभवत्। तस्य गुणैः प्रसन्नः स्वसचिवैश्च प्रेरितः राजा कालेन सम्प्राप्तयौवनं तं यौवराज्येऽभिषिक्तवान्। यौवराज्ये स्थितः सः जीमूतवाहनः कदाचित् हितैषिभिः पितृमन्त्रिभिः उक्तः —''युवराज ! योऽयं सर्वकामदः कल्पतरुः तवोद्याने तिष्ठति स एव सदा पूज्यः। अस्मिन् अनुकूले स्थिते शक्रोऽपि नास्मान् बाधितुं शक्नुयात्'' इति।

आकर्ण्यैतत् जीमूतवाहनः अन्तरचिन्तयत्—''अहो बत ! ईदृशममरपादपं प्राप्यापि पूर्वैः पुरुषैरस्माकं तादृशं फलं किमपि नासादितं किन्तु केवलं कैश्चिदेव कृपणैः कश्चिदपि अर्थोऽर्थितः। तदहमस्मात् मनोरथमभीष्टं साधयामि'' इति।

एवमालोच्य स पितुरन्तिकमागच्छत्। आगत्य च सुखमासीनं पितरमेकान्ते न्यवेदयत्—''तात ! त्वं तु जानासि एव यदस्मिन् संसारसागरे आशरीरमिदं सर्वं धनं वीचिवच्चञ्चलम्। एकः परोपकार एवाऽस्मिन् संसारेऽनश्वरः यो युगान्तपर्यन्तं यशः प्रसूते। तदस्माभिरीदृशः कल्पतरुः किमर्थं रक्ष्यते? यैश्च पूर्वैरयं 'मम मम' इति आग्रहेण रक्षितः, ते इदानीं कुत्र गताः? तेषां कस्यायम्? अस्य वा के ते? तस्मात् परोपकारैकफलसिद्धये त्वदाज्ञया इमं कल्पपादपम् आराधयामि।

106. जीमूतकेतुः कम् आराध्य पुत्रं प्राप्नोत्?

(1) हिमवन्तम्

(2) काञ्चनपुरम्

(3) कल्पतरुम्

(4) बोधिसत्त्वम्

107. 'संसारेऽनश्वरः' इत्यत्र सन्धिः कः?

(1) प्रकृतिभावः

(2) पूर्वरूपः

(3) वृद्धिः

(4) गुणः

108. 'नासादितम्' इत्यस्य पदस्य पर्यायः कः?

(1) न प्राप्तम्

(2) न सन्निविष्टम्

(3) न उपविष्टम्

(4) असाधितं न

109. 'सर्वकामदः' इति समस्तपदस्य विग्रहो भवति——

(1) सर्वं कामं दुनोति

(2) सर्वं कामं ददाति

(3) सर्वं कामं दर्शयति

(4) सर्वं कामं दधाति

110. बोधिसत्त्वांशसम्भवः कः?

(1) जीमूतकेतुः

(2) कल्पतरुः

(3) जीमूतवाहनः

(4) हिमवान्

111. 'शक्र'-शब्दस्य पर्यायः भवति——

(1) इन्द्रः

(2) चन्द्रः

(3) शुक्रः

(4) प्रजापतिः

112. 'प्रसन्नः' इति पदस्य विलोमपदं भवति——

(1) निमग्नः

(2) विषण्णः

(3) स्तब्धः

(4) चकितः

113. गद्यांशेऽस्मिन् 'नित्यम्' इति पदस्य पर्यायः प्रयुक्तः ——

(1) अनश्वरः

(2) सर्वकामदः

(3) हिमवान्

(4) स्थितः

114. सर्वकामदः कल्पतरुः कुत्र तिष्ठति?

(1) नगरे

(2) नगेन्द्रे

(3) पुरे

(4) उद्याने

निर्देश : अधोलिखितान् श्लोकान् पठित्वा प्रश्नानां (प्र० सं० **115–120**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

पिता यच्छति पुत्राय बाल्ये विद्याधनं महत्।
पिताऽस्य किं तपस्तेपे इत्युक्तिस्तत्कृतज्ञता॥1॥
आचारः प्रथमो धर्मः इत्येतद् विदुषां वचः।
तस्मात् रक्षेत् सदाचारं प्राणेभ्योऽपि विशेषतः॥2॥
प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
तस्माद् तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता॥3॥
आरम्भगुर्वी क्षयिणी क्रमेण लघ्वी पुरा वृद्धिमती च पश्चात्।
दिनस्य पूर्वार्द्धपरार्द्धभिन्ना छायेव मैत्री खलसज्जनानाम्॥4॥
साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः।
तृणं न खादन्नपि जीवमानः तद्भागधेयं परमं पशूनाम्॥5॥
चिन्तनीया हि विपदाम् आदावेव प्रतिक्रियाः।
न कूपखननं युक्तं प्रदीप्ते वह्निना गृहे॥6॥

115. प्राणेभ्योऽपि विशेषतः किं रक्षेत्?

(1) धर्मम्

(2) सदाचारम्

(3) धनम्

(4) विद्याम्

116. पिता पुत्राय बाल्ये किं यच्छति?

(1) विद्याधनम्

(2) तपः

(3) वस्तूनि

(4) पुस्तकानि

117. 'जन्तवः' इति पदं कस्मिन्नर्थे प्रयुक्तम्?

(1) मृगाः

(2) मानवाः

(3) पशवः

(4) जीवाः

118. प्रतिक्रियाः आदावेव कासां चिन्तनीयाः?

(1) स्त्रीणाम्

(2) विपदाम्

(3) समस्यानाम्

(4) क्रियाणाम्

119. दिनस्य पूर्वार्द्धच्छाया कथं भवति?

(1) आरम्भगुर्वी

(2) क्षयिणी

(3) लघ्वी

(4) वृद्धिमती

120. साक्षात्पशुः कः भवति?

(1) पुच्छविषाणहीनः

(2) जीवमानः

(3) साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः

(4) पुच्छविषाणसहितः

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य** (**Part–V**) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **121–150**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा** (**Language—II**)-रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part–V (Q. Nos. 121–150)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language—II** only.

→

Part—V / भागः —V

Language—II / भाषा—II

Sanskrit / संस्कृतम्

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य** (Part–V) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **121–150**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा** (Language—II)-रूपेण चितम्।

सूचना : अधोलिखितानां प्रश्नानां (प्र० सं० **121–135**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

121. एकस्यां समावेशी-कक्ष्यायां (Inclusive class) बालाः अस्मिन् अधिकप्रमादान् आचरन्ति—

(1) पठने

(2) लेखने

(3) भाषणे

(4) सर्वेष्वपि

122. ''व्याकरणं तावत् सैद्धान्तिकं तथा व्यावहारिकम्'' इति वचनं भवान्/भवती कियत्पर्यन्तं समर्थयति?

(1) पूर्णसमर्थनम्

(2) पाक्षिकसमर्थनम्

(3) अनङ्गीकारः

(4) इदमित्थं वक्तुं न शक्यते

123. विद्यार्थिषु उच्चप्राथमिकस्तरे उत माध्यमिकस्तरे भाषायां रुचिसंवर्धनार्थम् अपेक्षितं किं नाम?

(1) विद्यार्थिनः पुस्तकानि पठितुं सूचिताः भवेयुः

(2) विद्यार्थिभ्यः मौखिकरूपेण अधिकाधिकविवरणं देयम्

(3) विद्यार्थिभ्यः अधिकं श्रुतलेखनं (Dictation) देयम्

(4) विद्यार्थिनां व्याकरणज्ञानस्य वर्धनं कार्यम्

124. मौखिकप्रस्तुतीकरणार्थं निम्नलिखितेषु का वा पद्धतिः योग्या नास्ति?

(1) स्वरप्रस्तुतिः (Voice presentation)

(2) काव्यपाठः (Poetry recitation)

(3) मुखामुखिप्रस्तुतिः (Face-to-face presentation)

(4) सङ्केतभाषामाध्यमेन प्रस्तुतिः (Presentation through sign language)

125. ''संज्ञानात्मकविकासार्थं मनुष्याणां कृते मातृभाषा तथैव महत्त्वपूर्णा, यथा मातृक्षीरम्''—केनोक्तम्?

(1) राजर्षि टण्डन् (Rajarsi Tandon)

(2) रायबर्न (Royburn)

(3) महात्मागान्धी

(4) विवेकानन्दः

126. यदि छात्राः कस्याश्चित् भाषायां पठिताः यस्याश्च तेषाम् अधिकारः सम्यक् नास्ति, तर्हि—

(1) समीचीनविचारणा भवितुं नार्हति

(2) विद्यार्थिनः रटनाभ्यासस्य कथश्चित् कृत्रिम-स्मरणस्य अभ्यासं कल्पयन्ति

(3) विद्यार्थिनां पठने आसक्तिः नश्यति

(4) उपर्युक्तं सर्वमपि सम्भवति

127. भाषाशिक्षणे भाषायाः आत्मसाक्षात्कारस्य (Internalization) सर्वाधिकमहत्त्वपूर्णः अंशः अस्ति—

(1) श्रवणम् एवं पठनम्

(2) केवलं श्रवणम्

(3) केवलं पठनम्

(4) केवलं लेखनम्

128. भाषाशिक्षणे अधिगमसामग्र्याः (Learning material) अतिमुख्या समस्या अस्ति—

(1) अल्पसमये अधिकविषयस्य उपलब्धिः

(2) अधिगमसामग्र्याः कठिनबिन्दूनाम् उपरि उचितविवरणम्

(3) पाठं प्रति विद्यार्थिनां श्रद्धावर्धनम्

(4) अध्यापने अध्यापकस्य न्यूनश्रमेण कार्यसिद्धिः

129. ''बुद्धिमतां विद्यार्थिनाम् उच्चारणं तथा शब्दज्ञानम् उत्तमं भवति''—केनोक्तम्?

(1) टर्मनेन (Terman)

(2) फिशरेण (Fisher)

(3) थांबया (Thamba)

(4) एतैः सर्वैरपि

130. शब्दानाम् अर्थस्पष्टीकरणापेक्षया उत्तमापद्धतिः —

(1) शब्दानां विवरणम्

(2) शब्दकोशं दृष्ट्वा विवरणम्

(3) वाक्येषु शब्दप्रयोगद्वारा अर्थान् अनुमातुम् अवकाशकल्पनम्

(4) भाषाशिक्षणमाध्यमेन शब्दार्थानां स्पष्टीकरणम्

131. निम्नलिखितेषु मुद्रितपाठ्यपुस्तकप्रयोगापेक्षया द्वितीय-भाषाध्ययनार्थं सहायकं किम्?

(1) प्राकृतिक-अभिगमः (Natural approach)

(2) भाषाप्रवाहः (Language immersion)

(3) व्याकरणानुवादपद्धतिः

(4) सन्दर्भोचित-अभिगमः (Situational approach)

132. दोषपूर्णपठनाभ्यासस्य कारणेषु अन्यतमं कारणं भवति—

(1) बहुभाषाज्ञानम् (Multilingualism)

(2) द्विभाषाज्ञानम् (Bilingualism)

(3) कक्ष्यायां बहुविद्यार्थिनां सम्मर्दः (Over-crowded class)

(4) अङ्गुलीदर्शनम् (Finger pointing) अथवा पठने चक्षुरक्षर-संयोगार्थम् अङ्गुली-दर्शनम्

133. शब्दज्ञानपद्धतेः कृते शिक्षण-अधिगमसमस्या (Teaching-learning difficulty) निम्नलिखितेषु केन निवारिता भवति?

(1) क्रमिकवाक्यनिर्माणार्थं साहाय्येन

(2) शुद्ध-उच्चारणेन

(3) बालाः यथा विवरणात्मकक्लेशस्य सम्मुखं न कुर्युः, तेन

(4) उपर्युक्तं सर्वमपि

134. कौशल-उद्देश्येषु (Skill objectives) किं निम्नलिखितं सम्बद्धं नास्ति?

(1) पठनम्

(2) लेखनम्

(3) श्रवणम्

(4) भाषायाम् आसक्तिः

135. भाषाविकासं प्रभावयितुं कारकम् (Factor) अस्ति—

(1) स्वास्थ्यम्

(2) बुद्धिः

(3) वैयक्तिक-असमानताः

(4) उपर्युक्तं सर्वमपि

निर्देश : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (प्र० सं० **136–143**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

आसीत् कस्मिंश्चिद् अधिष्ठाने जीर्णधनो नाम वणिक्पुत्रः। स च विभवक्षयाद्देशान्तरं गन्तुमिच्छन् व्यचिन्तयत्—

यत्र देशेऽथवा स्थाने भोगा भुक्ताः स्ववीर्यतः।
तस्मिन् विभवहीनो यो वसेत् स पुरुषाधमः॥

तस्य च गृहे लौहघटिता पूर्वपुरुषोपार्जिता तुलासीत्। तां च कस्यचित् श्रेष्ठिनो गृहे निक्षेपभूतां कृत्वा देशान्तरं प्रस्थितः। ततः सुचिरं कालं देशान्तरं यथेच्छया भ्रान्त्वा पुनः स्वपुरमागत्य तं श्रेष्ठिनमुवाच—''भोः श्रेष्ठिन् ! दीयतां मे सा निक्षेपतुला।'' स आह—''भोः ! नास्ति सा, त्वदीया तुला मूषकैर्भक्षिता'' इति।

जीर्णधन आह—''भोः श्रेष्ठिन् ! नास्ति दोषस्ते, यदि मूषकैर्भक्षितेति। ईदृगेवायं संसारः। न किञ्चिदत्र शाश्वतमस्ति। परमहं नद्यां स्नानार्थं गमिष्यामि। तत् त्वमात्मीयं शिशुमेनं धनदेवनामानं मया सह स्नानोपकरणहस्तं प्रेषय'' इति।

स श्रेष्ठी स्वपुत्रमुवाच—''वत्स ! पितृव्योऽयं तव, स्नानार्थं यास्यति, तद् गम्यतामनेन सार्धम्'' इति।

अथासौ वणिक्शिशुः स्नानोपकरणमादाय प्रहृष्टमनाः तेन अभ्यागतेन सह प्रस्थितः। तथानुष्ठिते स वणिक् स्नात्वा तं शिशुं गिरिगुहायां प्रक्षिप्य, तद्द्वारं बृहच्छिलयाच्छाद्य सत्त्वरं गृहमागतः।

पृष्टश्च तेन वणिजा—''भोः ! अभ्यागत ! कथ्यतां कुत्र मे शिशुर्यस्त्वया सह नदीं गतः''? इति।

स आह—''नदीतटात्स श्येनेन हृतः'' इति। श्रेष्ठ्याह—मिथ्यावादिन् ! किं क्वचित् श्येनो बालं हर्तुं शक्नोति? तत् समर्पय मे सुतम् अन्यथा राजकुले निवेदयिष्यामि'' इति।

स आह—''भोः सत्यवादिन् ! यथा श्येनो बालं न नयति, तथा मूषका अपि लौहघटितां तुलां न भक्षयन्ति। तदर्पय मे तुलाम्, यदि दारकेण प्रयोजनम्'' इति। एवं विवदमानौ तौ द्वावपि राजकुलं गतौ।

136. जीर्णधनस्य गृहे किमासीत्?

(1) वणिक्शिशुः
(2) श्येनः
(3) मूषकः
(4) लौहघटिता तुला

137. सुचिरं कालं कः देशान्तरं भ्रमितवान्?

(1) श्रेष्ठी
(2) वणिक्शिशुः
(3) जीर्णधनः
(4) श्येनः

138. पितृव्यः कस्य?

(1) जीर्णधनस्य
(2) शिशोः
(3) श्रेष्ठिनः
(4) सत्यवादिनः

139. 'पुरुषाधमः' इति समस्तपदस्य विग्रहः?

(1) पुरुषश्चासौ अधमश्च
(2) पुरुषस्य अधमः
(3) पुरुषः अधमः यस्य सः
(4) पुरुषात् अधमः

140. 'मूषकैः' इति पदस्य पर्यायो भवति—

(1) आखुभिः
(2) वृषदंशैः
(3) कुक्कुरैः
(4) चौरैः

141. प्रहृष्टमनाः कः आसीत्?

(1) वणिक्

(2) जीर्णधनः

(3) शिशुः

(4) पितृव्यः

142. गद्यांशेऽस्मिन् 'संस्थाप्य' इत्यर्थे किं पदं प्रयुक्तम्?

(1) प्रक्षिप्य

(2) आच्छाद्य

(3) निविश्य

(4) सन्दृश्य

143. कौ राजकुलं गतौ?

(1) विभवहीन-पुरुषाधमौ

(2) श्येन-मूषकौ

(3) पुत्र-पितृव्यौ

(4) जीर्णधन-वणिजौ

निर्देश : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (प्र० सं० **144–150**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

कश्चित् कृषकः बलीवर्दाभ्यां क्षेत्रकर्षणं कुर्वन्नासीत्। तयोः बलीवर्दयोः एकः शरीरेण दुर्बलः जवेन गन्तुमशक्तश्चासीत्। अतः कृषकः तं दुर्बलं वृषभं तोदनेन नुद्यमानः अवर्तत। सः ऋषभः हलमूढ्वा गन्तुमशक्तः क्षेत्रे पपात। क्रुद्धः कृषीवलः तमुत्थापयितुं बहुवारं यत्नमकरोत्। तथापि वृषः नोत्थितः।

भूमौ पतिते स्वपुत्रं दृष्ट्वा सर्वधेनूनां मातुः सुरभेः नेत्राभ्यामश्रूणि आविरासन्। सुरभेरिमामवस्थां दृष्ट्वा सुराधिपः तामपृच्छत्— ''अयि शुभे ! किमेवं रोदिषि? उच्यताम्'' इति। सा च

विनिपातो न वः कश्चित् दृश्यते त्रिदशाधिपः।
अहं तु पुत्रं शोचामि, तेन रोदिमि कौशिक !॥

''भोः वासव ! पुत्रस्य दैन्यं दृष्ट्वा अहं रोदिमि। सः दीन इति जानन्नपि कृषकः तं बहुधा पीडयति। सः कृच्छ्रेण भारमुद्वहति। इतरमिव धुरं वोढुं सः न शक्नोति। एतत् भवान् पश्यति न?'' इति प्रत्यवोचत्।

''भद्रे ! नूनम्। सहस्राधिकेषु पुत्रेषु सत्स्वपि तव अस्मिन्नेव एतादृशं वात्सल्यं कथम्?'' इति इन्द्रेण पृष्टा सुरभिः प्रत्यवोचत्—

यदि पुत्रसहस्रं मे, सर्वत्र सममेव मे।
दीनस्य तु सतः शक्र ! पुत्रस्याभ्यधिका कृपा॥

''बहून्यपत्यानि मे सन्तीति सत्यम्। तथाप्यहमेतस्मिन् पुत्रे विशिष्य आत्मवेदनामनुभवामि। यतो हि अयमन्येभ्यो दुर्बलः। सर्वेष्वपत्येषु जननी तुल्यवत्सला एव। तथापि दुर्बले सुते मातुः अभ्यधिका कृपा सहजैव'' इति। सुरभिवचनं श्रुत्वा भृशं विस्मितस्याखण्डलस्यापि हृदयमद्रवत्। स च तामेवमसान्त्वयत्—''गच्छ वत्से ! सर्वं भद्रं जायेत''।

144. गद्यांशे प्रयुक्त 'बलीवर्द'-शब्दस्य कोऽर्थः?

(1) गौः

(2) वृषः

(3) गर्दभः

(4) बलवान्

145. सुराधिपः कः?

(1) वासवः

(2) इन्द्रः

(3) शक्रः

(4) उपर्युक्ताः सर्वेऽपि

146. गद्यांशे 'वेगेन' इत्यर्थे प्रयुक्तं पदं किम्?

(1) शरीरेण

(2) तोदनेन

(3) जवेन

(4) तेन

147. 'दृष्ट्वा' इति प्रयोगस्य युक्तः कृदन्तप्रत्ययः अस्ति——

(1) क्त्वा

(2) तुमुन्

(3) क्तः

(4) शानच्

148. मातुः अभ्यधिका कृपा कस्मिन् भवति?

(1) सहस्राधिकेषु पुत्रेषु

(2) बलीवर्दयोः

(3) सुबले

(4) दुर्बले

149. 'अपत्यानि' इति पदस्य पर्यायः अस्ति——

(1) पुत्राः

(2) पुत्र्यः

(3) सन्ततिः

(4) कुटुम्बानि

150. 'कृच्छ्रेण' इति पदस्य विपरीतार्थकं पदं भवति——

(1) कष्टेन

(2) सुलभतया

(3) दुःखेन

(4) सन्तोषेण

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीया—

1. विभिन्नप्रश्नानाम् उत्तरं कथं प्रदेयमिति प्रश्नपत्रे व्याख्यातम् अस्ति। प्रश्नानाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं तत् अवश्यं पठनीयम्।
2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं ओ० एम० आर० (OMR) उत्तर-पत्रिकायाः पृष्ठे-2 **केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण कृष्ण/नील-बाल-पाइन्ट**-लेखन्याः प्रपूरणीयम्। एकवारम् उत्तराङ्कनान्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते।
3. परीक्षार्थिभिः उत्तर-पत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम्। परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कम् उत्तर-पत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत्।
4. परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः। कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षा-पुस्तिका नोपलभ्या एव।
5. परीक्षा-पुस्तिकायाम् उत्तर-पत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया।
6. ओ० एम० आर० (OMR) उत्तर-पत्रिकायां कूटस्थ (Coded) सूचनानां पठनं यन्त्रद्वारा भविष्यति। अतः कापि सूचना असम्पूर्णा न स्यात्। तथैव प्रवेशपत्रस्य सूचनातः भिन्ना सूचना न प्रदेया।
7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति।
8. परीक्षा गृहे/प्रकोष्ठे मोबाइलयन्त्रं वेतारसूचनायन्त्रं (स्वीच आफ कृत्वा अपि) अन्यानि च प्रतिबन्धितवस्तूनि नैव आनेतव्यानि। एतस्य नियमस्य उल्लङ्घनम् अनुचितमार्गावलम्बनम् इति विधास्यते यस्य कृते दण्डस्य विधानम् अस्ति। परीक्षातः निष्कासनम् अपि भवितुम् अर्हति।
9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम्।
10. केन्द्र अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम्।
11. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तर-पत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवन-कक्षं वा परित्यक्तव्यं न अन्यथा। यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तर-पत्रं न दत्तम्' इति अभिप्रायः। इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम्।
12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः।
13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः। अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव।
14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः।
15. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तर-पत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति। परीक्षार्थिनः इमां परीक्षा-पुस्तिकां नेतुम् अनुमताः।**

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **काले/नीले बॉलपॉइंट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर-पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर-पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाजिरी-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर-पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर-पत्र दिए बिना एवं हाजिरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाजिरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर-पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अँगूठे का निशान हाजिरी-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर-पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर-पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें। *परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Black/Blue Ballpoint Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the Examination Halls/Rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against them including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall/Room. *The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***